मोतीलाल नेहरू सांध्य महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वार्षिक विवरणिका
सत्र : 2014–2015

मंच पर विराजमान मुख्य अतिथि माननीय प्रो0 आर. एस. धनकर एवं स्टॉफ काउंसिल सचिव डॉ0 विधाशंकर सिंह और मंच के सम्मुख बैठे सहयोगी शिक्षकगण, कर्मठ–कुशल कर्मचारी बंधुओं, प्रिय छात्र एवं छात्राओं –

मैं इस वार्षिकोत्सव के अवसर पर आपका हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

आपको यह जानकर अपार हर्ष होगा कि महान् विभूति प्रख्यात कानूनविद् एवं स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर सन् 1965 में स्थापित यह 'मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय' प्रारंभ में 'हस्तिनापुर कॉलेज' के नाम से जाना जाता था। पं0 मोतीलाल नेहरू 1919 ई0 एवं 1920 ई0 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने 1923 ई0 में देशबंधु चितरंजन दास के साथ मिलकर 'स्वराज पार्टी' की स्थापना भी की। आज भी इलाहाबाद का उनका आनंद भवन स्वतंत्रता आंदोलन की अमर गाथा को अपने भीतर संजोये हुए है एवं सम्पूर्ण भारतवासियों के लिए एक प्रेरणापुंज भी है। पं0 मोतीलाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू के पिता एवं भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के दादा थे। पं0 मोतीलाल नेहरू के परिवार की राजनैतिक विरासत आज भी राष्ट्र–सेवा में अपनी सार्थकता के लिए संघर्षरत है।

हमें इस तथ्य का उल्लेख करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि इस कॉलेज के संस्थापक प्राचार्य, विख्यात शिक्षाविद् डॉ0 आर. के. भान थे। आने वाले वर्षों में डॉ0 शंकरदेव शर्मा 'अवतरे', डॉ0 सुरेशचन्द शर्मा जैसे साहित्य–प्रेमी एवं प्रशासनिक दक्षता वाले व्यक्तियों ने कॉलेज के प्राचार्य पदभार का दायित्व संभाला। इसके उपरांत डॉ0 बी. के. शर्मा ने दो वर्ष तक कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य के रूप में दायित्व का निर्वाह किया।

आज के वार्षिकोत्सव के अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि ऐसे व्यक्ति हैं जिनके लिए औपचारिक परिचय की आवश्यकता नहीं है तथापि इस औपचारिकता को निभाने में मैं गौरव का अनुभव करता हूँ।

आज के समारोह के मुख्य अतिथि माननीय प्रो0 आर. एस. धनकर जी हैं, जिनका परिचय प्रस्तुत करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है।

प्रो0 धनकर मुख्य अतिथि के रूप में आज हमारे मध्य Finance से संबद्ध एक ऐसे शिक्षाविद हैं जिन्होंने शैक्षणिक संस्थाओं के विकास में निरंतर अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। आप दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर में स्थित Faculty of Management Studies (FMS) के डीन रह चुके हैं। संप्रति आप Ansal University गुड़गाँव के Vice-Chancellor हैं। आप महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक, हरियाणा के उप–कुलपति पद पर रहकर महत्वपूर्ण प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन कर चुके हैं।

आपने Commonwealth Scholarship प्राप्त कर U.K. से Ph.D. की उपाधि प्राप्त की। अमेरिका की कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से Post Doctoral Studies के लिए आपको भारत सरकार द्वारा Scholarship प्रदान किया गया। आप 1977 ई0 से Finance के क्षेत्र में Teaching, Research और Consultancy में संलग्न हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के अतिरिक्त आपने कई अमेरिकी और Canadian Universities में शैक्षणिक कार्य किया है। आपके निर्देशन में 12 Ph.D. award हो चुकी हैं और कई शोध छात्र अभी आपके निर्देशन में शोधरत हैं।

प्रो0 धनकर ने कई शैक्षणिक संस्थाओं की गवर्निंग बॉडी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त आप कई सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं के निदेशक और ट्रस्टी हैं।

महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के उप–कुलपति के कार्यकाल में आपने इस विश्वविद्यालय को U.K., कनाडा और U.S.A. के बड़े–बड़े विश्वविद्यालयों से जोड़ने का उत्कृष्ट कार्य किया। आपके प्रशासनिक कार्यों के कारण इस विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा 'A' Grade की मान्यता मिली, जिसका श्रेय आपको जाता है। शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों के अलावा सामाजिक कार्यों में विशेष योगदान के लिए आपको 'हरियाण रत्न' से सम्मानित किया गया। आपका व्यक्तित्व जहाँ एक ओर शैक्षणिक और प्रशासनिक उपलब्धियों के लिए जाना जाता है वहीं दूसरी ओर निरंतर सामाजिक कार्यों के लिए भी आप समर्पित हैं।

कॉलेज की गवर्निंग बॉडी

वर्तमान गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष प्रोफेसर जे. पी. खुराना हैं। प्रोफेसर खुराना प्लांट मोलिक्यूलर बायोलॉजी डिपार्टमेंट, दक्षिण परिसर दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यरत हैं। आप अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक हैं। आपको सन् 1985–86 में स्मिथसोनियन इंस्टीट्यूट, वाशिंगटन एवं 1986–1988 ई0 में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा पोस्ट–डॉक्टोरल फेलोशिप प्रदान किया गया।

प्रो0 इनाक्षी शर्मा गवर्निंग बॉडी में विश्वविद्यालय प्रतिनिधि हैं। प्रो0 इनाक्षी शर्मा Department of Electronic Science, South Campus, University of Delhi में कार्यरत हैं।

डॉ0 बी. के. जैन (कार्यवाहक प्राचार्य, मोतीलाल नेहरू कॉलेज) गवर्निंग बॉडी के सचिव हैं। मोतीलाल नेहरू कॉलेज (सांध्य) की ओर से सदस्य डॉ. एस. के. शर्मा (कार्यवाहक प्राचार्य, सांध्य कॉलेज) एवं शिक्षक प्रतिनिधि डॉ0 (श्रीमती) सुषमा गुप्ता (राजनीति विज्ञान विभाग) एवं श्री रजनीश क्लेर (कॉमर्स विभाग) हैं। प्रातः कॉलेज के शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में डॉ0 हरिओम गुप्ता एवं श्री रामचरण मीणा हैं। श्री एस॰ के॰ शुक्ला (नॉन टीचिंग) प्रातः कॉलेज एवं श्री आर॰ एस॰ जोशी (नॉन टीचिंग) सांध्य कॉलेज, विशेष आमंत्रित सदस्य हैं। प्रोफेसर जे. पी. खुराना की अध्यक्षता में यह गवर्निंग बॉडी जहाँ एक ओर कॉलेज की शैक्षिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के मार्गदर्शक के रूप में हैं वहीं दूसरी ओर कॉलेज की विभिन्न समस्याओं के निदान की दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं।

कॉलेज भवन

आज कॉलेज के पास दस एकड़ भूखण्ड पर बना अपना भवन तो है परन्तु अभी भी अपूर्ण और अपर्याप्त है। अध्यापन कक्ष, सभागार भवन का निर्माण होना अभी शेष है। सांध्य कॉलेज साढ़े तीन बजे से आरंभ होकर रात नौ बजे तक चलता है, इससे प्राध्यापिकाओं और छात्राओं को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस कठिनाई के निराकरण के लिए हम सभी निरंतर प्रयत्नशील हैं।

पुस्तकालय

हमारे कॉलेज का पुस्तकालय बहुत समृद्ध होने के साथ–साथ पूर्णतः वातानुकूलित है। इसमें लगभग 69 हजार पुस्तकों का अनूठा संग्रह है। लगभग 40 देशी और विदेशी पत्र–पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं। हमारा इलैक्ट्रॉनिक रिसोर्स सेंटर भी पूर्णतः वातानुकूलित है और अत्याधुनिक कम्प्यूटर सिस्टम एवं सॉफ्टवेयर से सुसज्जित है। रिसोर्स सेंटर में प्राध्यापकों के लिए अलग से अध्ययन कक्ष की व्यवस्था है। पुस्तकालय का संचालन कार्यवाहक लाइब्रेरियन श्री राधेश्याम जोशी की देखरेख में एवं पुस्तकालय समिति के परामर्श द्वारा

होता है। श्रीमती उमा चौधरी (अंग्रेजी विभाग) पुस्तकालय परामर्श समिति की संयोजक हैं। जिनके परामर्श और सुझाव पुस्तकालय को समय–समय पर मिलता रहता है। पुस्तकालय का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है जिसके लिए श्रीमती उमा चौधरी धन्यवाद की पात्र हैं।

पुस्तकालय की लगभग सभी किताबों की बार–कोडिंग कर दी गई है जिससे छात्र कम्प्यूटर के माध्यम से आसानी से किताबें ढूंढ लेते हैं।

यद्यपि कुछ वर्षों से विद्यार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, परन्तु पुस्तकालय स्टॉफ की संख्या सन् 1980 में जो थी, आज भी वही है। इस संदर्भ में मैं यह सूचित करना चाहता हूँ कि पर्याप्त स्टाफ न होने पर भी पुस्तकालय सेवाएँ एक दिन के लिए भी बाधित नहीं हुई।

हमारे लिए यह प्रसन्नता का विषय है कि इस वर्ष पुस्तकालय में कार्यरत श्री आर. एस. जोशी, सेमी–प्रोफेशनल असिस्टेंट पद से प्रोफेशनल असिस्टेंट पद पर प्रोन्नत हुए हैं। साथ ही पुस्तकालय में कार्यरत श्री रविन्द्र गोयल ने वर्ष 2014 में बी.लिब. की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त की है।

प्रशासनिक विभाग

हमारे लिए सुखद संयोग है कि पिछले कई वर्षों से निरंतर विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि हुई है। ऐसी स्थिति में प्रशासनिक कार्य को सुचारू रूप से चलाने में स्टॉफ की कमी के चलते एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ता है। बावजूद इसके हमें गर्व है अपने सभी कर्मचारियों की कार्यकुशलता पर, जिन्होंने इस समस्या का सामना कुशलतापूर्वक किया है। इसके लिए मैं अपने प्रशासनिक अधिकारियों श्री राजेश हान्डू एवं श्री श्रवण कुमार और सेक्शन ऑफिसर श्री देशराज चावला एवं श्री गुलशन कपूर कार्यवाहक सेक्शन ऑफिसर (Accounts) के लिए आभार प्रकट करता हूँ। मैं अपने उन सभी कर्मचारियों के

प्रति विशेष आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके विशेष योगदान से कॉलेज का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है।

मुझे यह सूचित करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि श्री श्रवण कुमार, सेक्शन ऑफिसर (Accounts) के पद से प्रोन्नत होकर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

मुझे यह सूचित करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि श्री दलजीत सिंह प्रोन्नत होकर असिस्टेंट के पद पर कार्यरत हैं।

अध्यापक संकाय

यह कॉलेज का सौभाग्य है कि इसमें विशिष्ट योग्यताओं से युक्त ऐसे अनेक प्राध्यापक हैं जो शोध–निर्देशक के रूप में कार्य कर रहे हैं। कॉलेज में कुल 85 प्राध्यापक हैं जिनमें 40 प्राध्यापक स्थाई हैं, 37 प्राध्यापक तदर्थ एवं 8 प्राध्यापक अतिथि के रूप में कार्यरत हैं। प्राध्यापकों के लेख प्रतिष्ठित पत्र–पत्रिकाओं में प्रायः छपते रहते हैं।

श्री नरेन्द्र कुमार (कॉमर्स विभाग) एवं डॉ0 दिवाकर तिवारी (राजनीति विज्ञान विभाग) वर्ष 2014 में सेवानिवृत्त हुए हैं।

1. अंग्रेजी विभाग

अंग्रेजी विभाग के डॉ0 प्रदीप शरण (एसोसियेट प्रोफेसर) ने 'Structuralism and Post-structuralism Theories' विषय पर अकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज, कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल में रिसोर्स पर्सन के रूप में दिसम्बर, 2014 को रिफ्रेशर कोर्स में व्याख्यान दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय ने डॉ0 प्रदीप शरण को वर्ष 2014 में एम. ए. भाषा विज्ञान की उपाधि प्रदान की।

अंग्रेजी विभाग के डॉ0 राजेश कुमार ने 7 जुलाई 2014 को जामिया मिलिया इसलामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में रिसोर्स पर्सन के रूप में व्याख्यान दिया।

अंग्रेजी विभाग के डॉ0 राजेश कुमार ने 13 फरवरी 2015 को Centre for the study of Social System, JNU, New Delhi में व्याख्यान दिया।

अंग्रेजी विभाग के डॉ0 राजेश कुमार ने JNU, अंग्रेजी विभाग के Ph.D Thesis का मूल्याँकन किया है।

अंग्रेजी विभाग के डॉ0 राजेश कुमार का तीन शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए –

1 संघर्ष जर्नल में Oct. 2014 and

2 संघर्ष जर्नल में Dec 2014

3 South Asian International Journal – Oct. 2014

अंग्रेजी विभाग की डॉ0 हेमा दहिया (असिस्टेंट प्रोफेसर) ने अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठियों में तीन शोध–पत्र प्रस्तुत किये ––

1. अक्टूबर 2014 को अमेरिकन यूनिवर्सिटी, रोम में
2. दिसम्बर 2014 को राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में
3. मार्च 2015 को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर में

डॉ0 हेमा दहिया का एक शोध–पत्र 'Post-colonial and Third World Literature: An Overview' नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

अंग्रेजी विभाग की डॉ0 ज्योति जाखर दहिया (असिस्टेन्ट प्रोफेसर) ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में दो शोध पत्र प्रस्तुत किया —

1. 28 अक्टूबर 2014 को गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर
2. 10 नवम्बर 2014 को एस.जी.टी.बी. खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ0 ज्योति जाखर दहिया ने अकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में व्याख्यान प्रस्तुत किया।

2. हिन्दी विभाग

हिन्दी विभाग के डॉ0 विद्याशंकर सिंह ने भारतीय भाष केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की ओर से दिनांक 13–14 मार्च 2015 को आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया तथा एक सत्र का संचालन भी किया।

हिन्दी विभाग के डॉ0 अश्वनी कुमार (सहायक प्रवक्ता) की पुस्तक (शीर्षकः शिक्षा, मीडिया और राजनीति) प्रकाशित हुई।

डॉ0 अश्वनी कुमार ने 14 सितम्बर को हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान में व्याख्यान दिया।

डॉ0 अश्वनी कुमार ने 30 मार्च 2015 को हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

हिन्दी विभाग की कु0 सिम्मी चौहान के द्वारा प्रस्तुत शोध–पत्र फरवरी 2015 में 'सम्यक भारत' पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

हिन्दी विभाग की डॉ0 अर्चना रानी को दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से हिन्दी साहित्य में 'हिन्दी महिला कथा साहित्य में सत्ता, समाज और बाजार' विषय पर पीएच.डी. की उपाधि 2014 ई0 में प्रदान की गई।

वर्ष 2014 में डॉ0 अर्चना रानी के चार शोध–पत्र प्रकाशित हुए हैं।

डॉ0 अर्चना रानी ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा मार्च 2014 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

हिन्दी विभाग के डॉ0 विपुल कुमार का लेख 'पाठ और पाठ्यक्रम' शीर्षक पुस्तक में वर्ष 2015 में प्रकाशित हुआ।

डॉ0 विपुल कुमार का 'परिसर' पत्रिका में मार्च 2015 में एक शोध–पत्र प्रकाशित हुआ।

इन्होंने अलवर और दिल्ली में आयोजित दो राष्ट्रीय संगोष्ठी में अपना शोध–पत्र 6 नवम्बर 2014 और 14 मार्च 2015 को प्रस्तुत किया।

3. इतिहास विभाग

इतिहास विभाग के डॉ0 वी.के. झा (एसोसियेट प्रोफेसर) को मगध विश्वविद्यालय, बोध गया द्वारा जून 2014 में पीएच.डी. की उपाधि से अलंकृत किया गया।

4. राजनीति विज्ञान विभाग

राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ0 आर.एन. त्रिपाठी (एसोसियेट प्रोफेसर) ने दो शोध–पत्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये —

1. शिकागो, यू.एस.ए. में अप्रेल 2014
2. मसूरी, उत्तराखण्ड, मार्च 2015

राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ0 जी.एन. त्रिवेदी (एसोसियेट प्रोफेसर) ने दो शोध–पत्र अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये —

1. जॉर्ज मेसन विश्वविद्यालय, वर्जिनिया, यू.एस.ए.–25 फरवरी

2. अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन संघ द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन न्यू ऑरलियेन्स, यू. एस.ए. में 19 फरवरी, 2015 ।

Dr. Chetan Tokas, Assistant Professor, Department of Political Science was awarded Ph.D. from JNU in 2014.

Dr. Chetan Tokas Presented Research Paper in International Conferences.

1. Wolkite University, Addis, Ethiopia, Dec 2014
2. Addis University, Addis, Ethiopia, Dec 2014

5. अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग की डॉ0 प्रिया भल्ला (असिस्टेंट प्रोफेसर) ने तीन शोध पत्र अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये —

1. इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ फोरेन ट्रेड अगस्त, 2014
2. इम्पीरियल कॉलेज, लन्दन, अगस्त 2014
3. श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, अप्रेल 2015

डॉ0 प्रिया भल्ला के तीन शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए।

अर्थशास्त्र विभाग की डॉ0 अन्जली अग्रवाल ने दो शोध–पत्र अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किये —

1. जे.एन.यू. नवम्बर, 2014
2. पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला, दिसम्बर 2014

डॉ0 अन्जली अग्रवाल का एक शोध–पत्र राष्ट्रीय जर्नल में अक्टूबर, 2014 में प्रकाशित हुआ।

6. फिजिकल एजुकेशन

फिजिकल एजुकेशन के डॉ. एम.एस. राठी (असोसिएट प्रोफेसर) को 30 जनवरी 2015 से 14 फरवरी 2015 तक केरल में आयोजित 35वीं राष्ट्रीय खेलों के लिए 'ट्रायथलोन प्रतियोगिता' में तकनीकी अधिकारी के तौर पर आमंत्रित किया गया।

स्टाफ काउंसिल

डॉ0 विद्याशंकर सिंह स्टॉफ काउंसिल के सचिव हैं। काउंसिल की बैठकें प्रायः होती रहती हैं जिनमें संस्था के शैक्षणिक स्तर और अनुशासन को बेहतर बनाने जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर विशेष रूप से विचार–विमर्श होता है तथा पारित प्रस्तावों और सुझावों को कार्यान्वित किया जाता है। डॉ0 विद्याशंकर सिंह ने इस सत्र में मुझे जो सहयोग दिया है, उसके लिए मैं उन्हें हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

कॉलेज में प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों के कल्याणकारी कार्यों के लिए असोसिएशन और यूनियन आदि का गठन भी प्रति वर्ष की भाँति ही हुआ है।

स्टॉफ असोसिएशन :	अध्यक्ष	–	डॉ0 अश्वनी कुमार
	सचिव	–	डॉ0 पिन्टू कुमार
कर्मचारी असोसिएशन :	अध्यक्ष	–	श्री राधेश्याम जोशी
	सचिव	–	श्री राजेश हांडू

छात्र–संघ

आज का छात्र जहाँ अपने अधिकारों की माँग करता है वहीं वह अपने कर्तव्य के प्रति भी पूर्ण रूप से सजग है, जिसके कारण छात्र–संघ के पदाधिकारियों ने छात्रों की समस्याओं के समाधान में निरन्तर अपनी तत्परता दिखाई। इसके लिए मैं छात्रसंघ के

पदाधिकारियों को बधाई देता हूँ। छात्रसंघ के सलाहकार डॉ0 विद्याशंकर सिंह के प्रति मैं हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने प्रशासन और छात्रसंघ के बीच सेतु का कार्य किया और सभी समस्याओं के निराकरण में मेरी निरंतर सहायता की।

वर्तमान छात्रसंघ के पदाधिकारी हैं :–

अध्यक्ष	:	पंकज कुमार
उपाध्यक्ष	:	हिमांशु
सचिव	:	श्रद्धा जैन
संयुक्त सचिव	:	रश्मि रावत
सेंट्रल काऊंसलर	:	अंकिता कुमारी, अनुज राणा

कॉलेज के छात्रसंघ के तत्त्वावधान में दिनांक 24–25 मार्च, 2015 को सांस्कृतिक उत्सव का सफल आयोजन हुआ। इस अवसर पर कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा भव्य रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता यह थी कि इसकी सभी प्रस्तुतियाँ और प्रबंधन विद्यार्थियों तथा छात्र–संघ के पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयत्न का प्रतिफल था। छात्र संघ के परामर्शदाता डॉ0 विद्याशंकर सिंह एवं सदस्य डॉ0 सुषमा गुप्ता और डॉ0 अश्वनी कुमार साथ ही Cultural Committee की संयोजक डॉ0 सुषमा गुप्ता एवं सदस्य डॉ0 (श्रीमती) राजेश कुमारी, श्रीमती रेनू गोविला डॉ0 हेमा दहिया तथा डॉ0 विष्णुचरण नाग की निष्ठा और परिश्रम से यह सांस्कृतिक कार्यक्रम अत्यंत सफल, प्रभावी और आकर्षक रहा।

अध्ययनरत विद्यार्थी एवं परीक्षा परिणाम

हमारे महाविद्यालय में वर्ष 2014–2015 के सत्र में 2276 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। छात्रों की संख्या 1632 हैं तथा छात्राओं की संख्या 644 है।

यह हम सभी के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारा शैक्षणिक स्तर दिनों–दिन श्रेष्ठ से श्रेष्ठतर हुआ है। इसका उल्लेख करते हुए मुझे सुखद अनुभूति हो रही है। हमारा परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है। मैं क्रमशः परीक्षा परिणाम का उल्लेख कर रहा हूँ –

अर्थशास्त्र ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	100 प्रतिशत
बी. ए. प्रोग्राम द्वितीय वर्ष	–	84 प्रतिशत
बी. ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष	–	47 प्रतिशत
बी. कॉम. द्वितीय वर्ष	–	95 प्रतिशत
बी. कॉम. तृतीय वर्ष	–	75 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	97 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	83 प्रतिशत
बी. कॉम. ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	79 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	94 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	85 प्रतिशत
अंग्रेजी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	65 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	91 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	97 प्रतिशत
हिन्दी ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	70 प्रतिशत

इतिहास ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	93 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	85 प्रतिशत
इतिहास ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	36 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स प्रथम वर्ष	–	95 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स द्वितीय वर्ष	–	91 प्रतिशत
राजनीति विज्ञान ऑनर्स तृतीय वर्ष	–	54 प्रतिशत

हमारे कॉलेज के दो छात्र अनुज पाण्डेय (इतिहास विभाग प्रथम वर्ष) और देवाशीश सौरव (इतिहास विभाग प्रथम वर्ष) ने 13 फरवरी, 2015 को गांधी भवन, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इण्टर कॉलेज वाद–विवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

सांस्कृतिक–अकादमिक गतिविधियाँ

यह सूचित करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि कॉलेज में वर्ष भर शैक्षिक व्याख्यान व सांस्कृतिक गतिविधियाँ निरंतर चलती रही हैं। इनका श्रेय यहाँ के प्राध्यापकों और विद्यार्थियों को जाता है।

हिन्दी साहित्य परिषद्, हिन्दी विभाग की ओर से व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। 23 फरवरी 2015 ई0 को 'दलित साहित्य और आज का भारतीय समाज' विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रो0 श्योराज सिंह बेचैन, हिन्दी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और प्रो0 विवेक कुमार, समाजशास्त्र विभाग, जे.एन.यू. ने अपना व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अश्वनी कुमार ने किया। संयोजक के रूप में डॉ0 अश्वनी कुमार ने

दायित्व का निर्वाह किया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 एस0 के0 शर्मा, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ0 विद्याशंकर सिंह, प्रभारी डॉ0 पुष्कर सिंह ने सक्रिय सहभागी के रूप में योगदान दिया।

राजनीति विभाग ने डॉ0 जी.एन. त्रिवेदी के संचालन में 9 फरवरी 2015 को व्याख्यान आयोजित किया। प्रो0 एन. सुकुमार, राजनीति विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'Democracy and the State of Human Rights in Contemporary India' विषय पर व्याख्यान दिया।

कॉलेज पत्रिका

"अस्मिता" कॉलेज की पत्रिका है, जो नियमित रूप से प्रतिवर्ष प्रकाशित होती है। इसमें पूरे वर्ष की कॉलेज में होने वाली विभिन्न गतिविधियों का सचित्र विवरण तो होता ही है, साथ ही यह पत्रिका छात्र–छात्राओं को उनकी रचनात्मक प्रतिभा की अभिव्यक्ति के लिए भी एक मंच प्रदान करती है। "अस्मिता" में कॉलेज के प्राध्यापकों–कर्मचारियों की रचनाएँ भी छपती हैं। इस वर्ष इसके प्रकाशन की देख–रेख के संपादक मंडल के सदस्य हैं –

प्रधान संपादक	:	डॉ0 अश्वनी कुमार (हिन्दी विभाग)
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ0 राजेश कुमार (अंग्रेजी विभाग)
सदस्य, संपादक मंडल	:	डॉ0 विष्णु चरण नाग (अर्थशास्त्र विभाग)

इस वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय के द्वारा एक वृहद् परियोजना 'इनोवेशन प्रोजेक्ट' के क्रियान्वयन का दायित्व कॉलेज को दिया गया है। इस वृहद परियोजना का क्रियान्वयन डॉ0 राधानाथ त्रिपाठी (राजनीति विज्ञान), डॉ0 विष्णुचरण नाग (अर्थशास्त्र विभाग) एवं श्री रजनीश क्लेर (कॉमर्स विभाग) द्वारा किया जा रहा है।

दिनांक 20, 21 और 22 फरवरी, 2015 को दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से 'अंतर–ध्वनि' सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। आज दिल्ली विश्वविद्यालय की पहचान विस्तार और वैविध्य के लिए सम्पूर्ण विश्व में है। निश्चित ही यह सांस्कृतिक उत्सव 'अंतर–ध्वनि' इस सच की अनुभूति कराने में सक्षम साबित हुआ।

इस समारोह में उपस्थित होकर कॉलेज के विद्यार्थियों ने जहाँ एक ओर इस भव्य आयोजन का भरपूर आनंद लिया वहीं दूसरी ओर कॉलेज की गरिमा को ध्यान में रखते हुए अपने दायित्व के प्रति लगन, निष्ठा का अभूतपूर्व परिचय दिया। वहाँ उपस्थित हम प्राध्यापकों को सही मायने में इनकी कार्य–कुशलता, दक्षता को देखने का अवसर भी मिला।

2 अक्टूबर 2014 ई0 को महात्मा गांधी के जन्म दिवस को भारत सरकार की ओर से आयोजित 'भारत स्वच्छता अभियान' में कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। साथ ही 'स्वस्थ भारत सम्पन्न भारत' बनाने का संकल्प लिया गया।

खेल–कूद

इस वर्ष खेल जगत में हमारे कॉलेज की उपलब्धियाँ विशिष्ट रही हैं।

फुटबाल

वर्ष 2014–15 में बिट्स पिलानी, राजस्थान की ओर से आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में इस वर्ष भी हमारा कॉलेज प्रथम रहा।

यूथ लीग फुटबाल टर्नामेंट में हमारे कॉलेज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

Birla Institute of Technology and Science गोवा द्वारा आयोजित सीप्री 2014–2015 में हमारे कॉलेज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्तर्महाविद्यालयी फुटबाल प्रतियोगिता में लगातार तीसरे वर्ष भी हमारे कॉलेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह किसी सांध्य कॉलेज के लिए विशिष्ट उपलब्धि है।

तीसरी राजीव गांधी स्पोर्ट्स लीग द्वारा आयोजित हॉकी प्रतियोगिता वर्ष 2014–15 में हमारे कॉलेज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वर्ष 2014–15 में हमारे कॉलेज के खिलाड़ियों की व्यक्तिगत उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं:–

शशांक मम्गेन (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष) की वर्ष 2014–15 में फुटबाल की उपलब्धि–

1. दिल्ली विश्वविद्यालय फुटबाल टीम का कैप्टन।
2. उत्तरी क्षेत्र तथा अर्न्तविश्वविद्यालय फुटबाल टीम का कैप्टन।

हमारे कॉलेज के निम्नलिखित खिलाड़ियों ने दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से उत्तरी क्षेत्र तथा अर्न्तविश्वविद्यालयी फुटबाल प्रतियोगिता में भाग लिया।

1. गौरव यादव (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष)
2. अरविन्द मंडरवाल (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष)
3. प्रदीप छिक्कारा (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष)
4. अभिषेक रावत (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष)
5. शशांक ममगेन (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष)

अभय राणा (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष) ने दिल्ली राज्य का संतोष ट्राफी वर्ष 2014–15 (राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता) का प्रतिनिधित्व किया।

मुकुल चन्द्रा (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष) की उपलब्धियाँ:–

1. उप–कप्तान – दिल्ली राज्य की फुटबाल टीम का संतोष ट्राफी में।
2. संतोष ट्राफी की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली राज्य की टीम का नेतृत्व किया।
3. दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से उत्तरी क्षेत्र तथा अर्न्तविश्वविद्यालयी प्रतियोगिता में नेतृत्व किया।
4. पिछले दो वर्षों से हमारे कॉलेज का नेतृत्व किया।
5. वर्ष 2014 में दिल्ली विश्वविद्यालय की टीम का नेतृत्व किया।
6. वर्तमान में भी यह खिलाड़ी हिन्दुस्तान फुटबाल क्लब की तरफ से सेकेण्ड डीविजनल इंडियान लीग में सिल्लीगुड़ी तथा गुवाहाटी से खेल रहे हैं।

वर्ष 2014–15 में हमारे कॉलेज के खिलाड़ियों की व्यक्तिगत उपलब्धियां अन्य खेलों में इस प्रकार हैं :–

1. दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ताइक्वांडों प्रतियोगिता में हमारे कॉलेज के मंदीप लाकड़ा (बी.ए. प्रोग्राम तृतीय वर्ष) ने रजत पदक जीता तथा गौरव कुमार (बी.ए. अंग्रेजी ऑनर्स द्वितीय वर्ष) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

रवि अहलावत (बी.ए. हिन्दी ऑनर्स, प्रथम वर्ष) ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अर्न्तमहाविद्यालयी प्रतियोगिता में कॉस्य पदक जीता।

आकाश यादव (बी.ए. राजनीति विज्ञान, प्रथम वर्ष) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

स्वामी यादव (बी.ए. प्रोग्राम, तृतीय वर्ष) ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अर्न्तमहाविद्यालयी बॉक्सिंग प्रतियोगिता में कॉस्य पदक प्राप्त किया।

खेल दिवस

हर वर्ष की भाँति इस वर्ष 31 मार्च 2015 को कॉलेज में खेल दिवस का आयोजन किया गया। इस आयोजन में विद्यार्थियों के द्वारा प्रस्तुत भव्य मार्च–पास्ट तथा प्राचार्य द्वारा किया गया ध्वजारोहण विशेष रूप से आकर्षण का केन्द्र बना। खेल के मैदान में मार्च–पास्ट सभी खिलाड़ियों एवं एथलीट्स के विजेता बनने के दृढ़ संकल्प को चरितार्थ कर रहा था। इस प्रतियोगिता में जहाँ एक ओर लगभग 250 विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में तथा वहीं दूसरी ओर 40 प्राध्यापकों एवं 30 कर्मचारियों ने विभिन्न प्रकार की दौड़, रस्साकस्सी, म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर खेल दिवस को अविस्मरणीय बनाया।

इस अवसर पर द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित श्री महावीर सिंह (बॉक्सिंग कोच) मुख्य अतिथि थे।

अब मैं कॉलेज खेल जगत की महत्त्वपूर्ण घोषणा करने जा रहा हूँ। इस वर्ष संगीता चौधरी (बी.ए. प्रोग्राम, प्रथम वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी तथा नवरत्न सैन (बी.ए. प्रोग्राम, प्रथम वर्ष) को सर्वश्रेष्ठ पुरूष खिलाड़ी घोषित किया गया।

मैं कॉलेज की खेल उपलब्धियों के लिए डॉ0 एम. एस. राठी, एसोसिएट प्रोफेसर – फिजिकल एजुकेशन को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिनके कुशल निर्देशन और परिश्रम से ही हमारे कॉलेज के प्रतियोगी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

प्रस्तुत विवरण की परिसमाप्ति से पूर्व मैं अपने सभी सहकर्मी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा विभिन्न समितियों के संयोजकों एवं सदस्यों के प्रति अपना आभार प्रकट करना चाहता हूँ जिनके सहयोग के अभाव में यह सब संभव नहीं था। डॉ0 विद्याशंकर सिंह (हिन्दी विभाग), श्रीमती उमा चौधरी (अंग्रेजी विभाग), डॉ0 प्रदीप शरण (अंग्रेजी विभाग) एवं डॉ0

विपुल कुमार (हिन्दी विभाग) के प्रति विशेष आभार, जिन्होंने वार्षिक विवरण को प्रस्तुत करने की दिशा में मेरा निरंतर सहयोग किया।

दिल्ली पुलिस के अधिकारी मेरे विशेष धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने में निरंतर सक्रियता के साथ अपने गहन दायित्त्व का निर्वाह किया।

छात्र–छात्राओं का उल्लेख इस दृष्टि से विशेष महत्वपूर्ण है जिन्होंने अनेक अभावों और कठिनाइयों के होते हुए भी न केवल अध्ययन के क्षेत्र में अपितु राष्ट्रीय स्तर के खेल–जगत में भी अपना स्थान बनाकर हमें गौरवान्वित किया है।

मैं प्रोफेसर आर. एस. धनकर जी के प्रति विशेष रूप से अनुगृहित हूँ जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर हम सबको उपकृत कर इस संस्था को गौरव प्रदान किया। आज के उत्सव की सफलता के लिए मैं अपने सहयोगी प्राध्यापकों, कर्मचारियों तथा छात्र–छात्राओं को बधाई देता हूँ तथा उनके प्रति पुनः धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

दिनांक : 17 अप्रैल, 2015

डॉ. एस. के. शर्मा
कार्यवाहक प्राचार्य